महिला, यदि तुम कृपा चाहती हो—तो भौतिकवाद मत अपनाओ

यह संदेश विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए है जो कृपा की कामना रखती हैं—चाहे विवाह में हो, संबंधों में या अपने परमेश्वर द्वारा दी गई उद्देश्य को पूरा करने में।

यदि तुम वह महिला हो जो सही व्यक्ति द्वारा चुनी जाने की आशा रखती हो या दैवीय उद्देश्य में कदम रखना चाहती हो, तो एस्तेर का एक शक्तिशाली उदाहरण है। वह बाहरी सुंदरता या धन की वजह से अलग नहीं दिखीं—बल्कि उनके अंदर के चरित्र की वजह से। एस्तेर हमें एक महत्वपूर्ण सिद्धांत सिखाती हैं: कृपा तुम्हारे दिल से जुड़ी है, न कि तुम्हारी दिखावट या संपत्ति से।

1. कृपा केवल बाहरी रूप से प्राप्त नहीं होती
बहुत से लोग मानते हैं कि कुँवारी होना या बाहरी सुंदरता होना कृपा का गारंटी है, खासकर प्रेम संबंधों या विवाह में। लेकिन एस्तेर की पुस्तक इस धारणा को चुनौती देती है।

“राजा ने एस्तेर को सब कन्याओं से अधिक प्रिय रखा, और वह सब कन्याओं से अधिक कृपा और अनुमोदन पाई; और राजा ने अपनी राजमुकुट उसकी मस्तक पर रखा और उसे वश्ती के स्थान पर रानी बनाया।”

महिला, यदि तुम कृपा चाहती हो—तो भौतिकवाद मत अपनाओ

— एस्तेर 2:17

राजा अहशेरोस के सामने कई कन्याएँ लाई गई थीं, लेकिन केवल एस्तेर को चुना गया। यह दिखाता है कि पवित्रता अकेली, हालांकि महत्वपूर्ण है, लेकिन एकमात्र कारण नहीं थी। कुछ गहरा था जिसने एस्तेर को अलग बनाया।

2. उसने बुद्धिमानी, नम्रता और संतोष दिखाया
जब उसकी बारी राजा से मिलने की आई, तो एस्तेर ने महंगे सामान या भव्य श्रृंगार की मांग नहीं की। इसके बजाय, उसने राजा के दास हेगै की सलाह पर भरोसा किया।

“जब एस्तेर की बारी आई… उसने कुछ नहीं मांगा सिवाय उसके जो हेगै, राजा के यूनूस, ने सुझाया। और एस्तेर ने सभी के बीच
कृपा पाई जो उसे देख रहे थे।”
— एस्तेर 2:15

यह नम्रता और सीखने की मनोस्थिति को दर्शाता है। 1 पतरस 3:3–4 में हमें याद दिलाया जाता है कि परमेश्वर महिलाओं में क्या

महिला, यदि तुम कृपा चाहती हो—तो भौतिकवाद मत अपनाओ

महत्व देता है:

“तुम्हारी शोभा बाहरी श्रृंगार से न हो, न केश बाँधने और
सोने या बहुमूल्य वस्त्र पहनने से,
बल्कि मन के छिपे हुए व्यक्ति की हो, जो सजग और शांति पूर्ण आत्मा की अटल शोभा हो, जो परमेश्वर के सामने अत्यंत
मूल्यवान है।”
— 1 पतरस 3:3–4

एस्तेर ने इस “अटल शोभा” का उदाहरण प्रस्तुत किया, जो मानव और दैवीय कृपा दोनों को जीतती है।

3. कृपा प्रामाणिकता और आंतरिक शक्ति का फल है
एस्तेर ने राजा की कृपा पाने के लिए खुद को बदलने या दूसरों की नकल करने की कोशिश नहीं की। उसने न दिखावा किया, न अपने रूप को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया। वह बस अपनी सच्चाई के साथ सामने आई—सम्मान, बुद्धिमत्ता और कृपा के साथ। उसने विश्वास किया कि जो कुछ परमेश्वर ने उसके अंदर रखा है, वह पर्याप्त है।

आज की दुनिया में, जहां बहुत लोग अपने रूप को बदलने, शरीर को

महिला, यदि तुम कृपा चाहती हो—तो भौतिकवाद मत अपनाओ

बेहतर बनाने या निरंतर भौतिक चीजों के पीछे भागने का दबाव महसूस करते हैं, एस्तेर की कहानी हमें याद दिलाती है: कृपा पाने के लिए तुम्हें दिखावा या अभिनय करने की जरूरत नहीं।

यह बात नीतिवचन 31:30 में भी कही गई है:

“मोहक रूप छलावा है, और सुन्दरता नष्ट हो जाती है; परन्तु जो प्रभु से भय रखती है, वह स्तुति योग्य है।”
— नीतिवचन 31:30

सच्ची कृपा उस व्यक्ति के साथ होती है जो अपने परमेश्वर द्वारा दी गई पहचान में चलता है और एक ऐसा दिल विकसित करता है जो उसे सम्मान देता है।

खुद बनो और परमेश्वर पर विश्वास रखो
यदि तुम एक युवा महिला या पत्नी हो जो कृपा की चाह रखती हो—तो फैशन, ध्यान या वस्तुओं के पीछे न भागो। भौतिकवाद को अपनी कीमत निर्धारित करने न दो। इसके बजाय, अपने चरित्र, नम्रता और विश्वास को बढ़ाने पर ध्यान दो। संतुष्ट रहो। सीखने के लिए तैयार रहो। सच्ची रहो।

महिला, यदि तुम कृपा चाहती हो—तो भौतिकवाद मत अपनाओ

कृपा उन्हीं के पीछे आती है जो प्रामाणिक, नम्र और परमेश्वर से डरने वाले होते हैं।

जैसे एस्तेर ने, अपने भीतर से प्रकाश चमकने दो—और विश्वास रखो कि परमेश्वर तुम्हें वहीं स्थान देगा जहाँ तुम होनी चाहिए।

“प्रभु में आनंदित हो, और वह तुम्हारे मन की इच्छाएँ पूरी करेगा।”
— भजन संहिता 37:4

प्रभु तुम्हें कृपा और अनुग्रह से आशीष दे, जब तुम उस पूर्णता में चलोगी, जिसके लिए उसने तुम्हें बनाया है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp